बिहार विधान सभा वादवृत्त

मंगलवार तिथि १२ सितम्बर १९५०

भारत के संविधान के प्रबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन रांची के सभा-वेश्म में मंगलवार तिथि १२ १९५० को ११ बजे पूर्वाह्न में. माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा, के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर

SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

GENERAL CHECKING OF PUBLIC VEHICLES.

2. Messrs. Ram Binod Singh, Md. Mobarak Karim, Badruddin Ahmad, Md. Tahir and Badiuzzaman Khan:

Will the Hon'ble Minister incharge of Transport Department be pleased to state—

(*a*) whether it is a fact that general checking of public vehicles was held in the district of Gaya on 28th August 1950, when the Officer incharge of the police station Aurangabad, on the plea, that their stage carriage permits did not bear the registration mark on these buses, detained some service of stage carriage permit buses such as BRB-1764 of Bihar National Transport Service and BRB-1456 for days causing serious dislocation of bus services and greatly stranded the travelling passengers and Government Postal Mail;

(*b*) whether the Motor Vehicles Act does not require registration mark of buses to be entered in service of stage

श्री मोसाहेब सिंह :

उनके पास लोहा पाया गया तो वह कैसा लोहा था ?

श्री वीरचन्द्र पटेल :

मुकदमे के हित में मैं इसे नहीं कह सकता हूं।

श्री बृजलाल दोकानिया :

उत्तर में "रघुराम" नाम के दो फर्मों का नाम लिया गया है। तो क्या वे दोनों एक ही आदमी के नाम से हैं।

श्री वीरचन्द्र पटेल :

अलग २ हैं।

श्री बृजलाल दोकानिया :

नाम से मालूम होता है कि एक ही आदमी का फर्म है।

श्री वीरचन्द्र पटेल :

मुझे आश्चर्य है। दो आदमियों के एक नाम होते हैं शायद यह माननीय सदस्य को मालूम नहीं है।

प्रान्तीय को-आपरेटिव बैंक की खल्ली का कोटा।

*१२७। श्री गौरीशंकर डालमिया :

क्या माननीय मंत्री विकास-विभाग यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि उत्तरी बिहार के तेल मिलों से उनकी पैदावार की ५० प्रतिशत खल्ली प्रान्तीय को-आपरेटिव बैंक को दिलाने की सरकार ने आज्ञा दी है;

(ख) क्या यह बात सही है कि फारबेसगंज के श्री महावीर राईस एन्ड आयल मिल में खल्ली का स्टॉक अधिक जमा हो जाने से auto-combustion पैदा हो जाने के कारण आग लग गई;

(ग) क्या यह बात सही है कि उस समय प्रान्तीय को-आपरेटिव बैंक ने कोटा नहीं उठाया था ?

श्री वीरचन्द्र पटेल :

(क) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ख) २४-२-१९५० को मिलवाले ने खबर दी कि ज्यादा stock होने के कारण खल्ली के कुछ भाग में आपसे आप आग लग गई।

(ग) उत्तर नाकारात्मक है।

अक्टुबर १९४९ से फरवरी १९५० तक जो return मिला है उसके मुताबिक १३, ८८७ मन खल्ली stock में थे जिसमें से Provincial Co-operative Bank ने ७१५५ मन या ५० प्रतिशत से ज्यादा quota उठा लिया है।

श्री शंकर नाथ :

मिलवालों ने जब सूचना दी कि आग लग गई है तो क्या सरकार ने इसकी जांच कराई या उसके बयान को मान लिया ?

श्री वीरचन्द्र पटेल :

जांच करने की जरूरत नहीं थी। यह बिल्कुल private affairs था।

श्री बृजलाल दोकानिया :

उत्तर (ग) में कहा गया है कि Provincial co-operative Bank ने ५० प्रतिशत कोटा (quota) उठा लिया है तो क्या यह बात सरकार ने जानने की कोशिश की जो रिपोर्ट दिया गया है वह झूठ है ? और खल्ली को black में बेचने के लिए ही उपरोक्त साजिस की गई थी ?

श्री वीरचन्द्र पटेल :

नहीं।

श्री वीरचन्द्र पटेल :

कई बार तार और दरखास्त आया था कि stock पड़ा हुआ है और उसे हटाने के लिए wagon चाहिये। सरकार कोशिश कर रही है कि वैगन उसे मिले।

श्री बृजलाल दोकानिया :

(ख) के उत्तर में कहा गया है कि आग लगी इसकी enquiry सरकार करना नहीं चाहती। आग में उसका सामान जल गया तो फिर आप क्यों नहीं enquiry करते हैं यह हमलोगों के समझ में नहीं आता ?

श्री वीरचन्द्र पटेल :

50 percent stock co-operative Bank का है जिसे उसने उठा लिया। बाकी 50 percent stock मिलवालों को बेचने का अधिकार है। उनका

कहना था कि stock अधिक हो जाने के कारण आग लगजाने का डर था। सरकार को उनके लिये wagon का इन्तजाम करना पड़ता है।

श्री बृजलाल दोकानिया :

जब मिलवाले के अपने stock में आग लगी तो फिर सरकार को report देने की क्या आवश्यकता थी ?

श्री वीरचन्द्र पटेल :

क्योंकि खल्ली बाहर भेजने के लिये wagon की जरूरत थी और उसके लिये सरकार की सिफारिस की जरूरत थी।

श्री वीरचन्द्र पटेल :

मेरा ख्याल है कि पहले कोई इस विषय का प्रश्न स्थगित नहीं किया गया था। यह पहली बार स्थगित हुआ है।

श्री वीरचन्द्र पटेल :

प्रश्न सं० १२८ तथा १२९ के उत्तर आज तैयार नहीं हैं।

सरदार हरिहर सिंह :

हुजूर से मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि जब २ tractor का सवाल इस सभा में आया तो बराबर postpone कर दिया गया। मैं जानना चाहता हूं कि tractor के dealings के ऊपर जो पर्दा पड़ा हुआ है क्या उसके अन्दर हमलोगों को देखने का कभी मौका मिलेगा ?

माननीय अध्यक्ष :

आप एक सूची तैयार करें कि tractors पर कब-कब प्रश्न पूछे गये और कब-कब स्थगित हुए और इसकी नोटिस दे दें तो सब कुछ मालूम हो जायेगा।

तारांकित प्रश्न सं० १३०

श्री वीरचन्द्र पटेल :

इसका उत्तर बहुत लम्बा है। अगर आपका हुक्म हो तो मैं इसे library के मेज पर रख दूं।